Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-103

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

M.A. Darshan, Semester : First
दर्शन : प्रश्न-पत्र : तृतीय
वेदान्त-मीमांसा – प्रथम

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीघ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. आनन्द शब्द से ब्रह्म ही अभिधेय है। प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।
2. मीमांसा-दर्शनानुसार शब्दनित्यत्ववाद का निरूपण करें।
3. उपनिषदों में वर्णित ब्रह्म के भिन्न-भिन्न नामों का उल्लेख करें।
4. द्यु. भू. आदि का आयतन कौन है? ब्रह्मसूत्रानुसार वर्णन करें।
5. मीमांसादर्शन के अनुसार शब्द अनित्यवादी की ओर से उपस्थापित हेतुओं का वर्णन करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. वेदान्तानुसार ब्रह्मविद्या के अधिकारी एवं अनधिकारी का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।
2. मीमांसा में वर्णित धर्म-जिज्ञासा-प्रकरण का भाष्यानुसार वर्णन करें।
3. प्रकृति का जगत् के प्रति उपादानकारणत्व का प्रतिपादन वेदान्तानुसार करें।
4. 'चोदनालक्षणार्थोधर्मः' सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।
5. 'एतेन सर्वे व्याख्याता व्याख्याताः' सूत्र की भाष्यानुसार व्याख्या करें।
6. मीमांसादर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण के स्वरूप का वर्णन करें।
7. "एष म आत्मान्तहृदये" इस छान्दोग्यश्रुति के अनुसार परमात्मा को अल्पस्थानी कहा गया है, जबकि परमात्मा सर्वव्यापक है। ब्रह्मसूत्र के अनुसार समाधान करें।

----------X----------